

प्रिन्सिपल,

सुनीलश्री पंथरी
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

3404/01

महानिदेशक,
भिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिचिस्त्रसा अनुनाम-५

देहशब्दः

दिनांक: 05 नवम्बर 2009

विषय- बी0डी0 माण्डे पुरुष एवं महिला चिकित्सालय नैनीताल के मयन के पुनर्निर्माण की डी0पी0आर0 तैयार करने हेतु धन आवंटन।

महाद्वयं

उपरोक्त विषयक आपके पत्र सं०-5P/8/3/2009-10/39421 दिनांक 09-10-2009 के सन्दर्भ में मुझे यह ज्ञान का निर्देश हुआ है कि सी० डी० पाण्डे पुरुष एवं महिला चिकित्सालय नैनीताल के भवन पुनर्निर्माण के लिये साईट सर्वे, मास्टर प्लान एवं डी०पी०आर० तैयार करने हेतु वित्त विभाग के शासनादेश सं०-163/XXVII(7)/2007 दिनांक 22.05.2008 (छायाप्रति संलग्न) के प्रसर-2 में वर्णित प्रतिबन्धों के अधीन कार्य की तात्कालिकता के दृष्टिगत विभिन्न परिस्थिति में अधिकतम खर्च पर रु० 25.00 लाख (रु० पच्चीस लाख मात्र) की धनराशि निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन अनुमोदित करते हुये व्यय हेतु आपके नियंत्रण पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय बी0डी0वाण्डे जिला पुरुष एवं महिला विधिविस्तारलय नैनीताल के भवन पुनर्निर्माण हेतु साईट सर्वे, मास्टर प्लान एवं डी0पी0आर0 तैयार करने हेतु वित्त विभाग के उक्त शासनादेश दिनांक 22.05.2008 के प्रस्ताव-2 में वर्णित कार्यो व प्रतिबन्धों के अन्तर्गत किया जायेगा।
2. उक्त धनराशि को प्रस्ताव-1 में अंकित प्रयोजन के लिये आवहृत कर उत्तराखण्ड राज्य अवस्थापना विकास निगम को इस प्रतिबन्ध के साथ अवमुक्त की जायेगी कि सम्बन्धित धनराशि भवन पुनर्निर्माण कार्य की लागत के सम्प्रेषण हेतु प्रतिशत प्रभार में समायोजित कर ली जायेगी।
3. व्यय करने के पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
4. व्यय करने हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-पांच भाग-1 (लेखा नियम), आय व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) व वित्त विभाग के शासनादेश संख्या- 267/XXVII(1)/2008 दिनांक 27 मार्च 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
5. यह उल्लेखनीय है कि व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है, अतः व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
6. वित्त विभाग के शासनादेश सं0-515/XXVII(1)/2009 दिनांक 28.07.2009 में निहित निर्देशों का अनुपालन करना सुनिश्चित किया जायेगा।
7. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय व्ययक के अनुदान सं0-12 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4210-विधित्ता तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय - अर्थात्जानगत 01-शहरी स्वास्थ्य सेवार्थ 110-अस्पताल तथा औषधालय 17-आवासीय भवनों में वृहद स्तरीय अनुरक्षण विस्तारीकरण तथा निर्माण 24-वृहद निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशा:10 सं०-484(P)/वित्त(अथ नियंत्रण) अनुभाग-3/2009 दिनांक 23-10-2009 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

मुखदीय

(सुनीलश्री पांथरी)

उप सचिव

सं-१३३१(१)/XXVIII-5-2008-60/2009 तदुदिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. प्रमुख सचिव, मा0 मुख्य मंत्री ।
2. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. प्रबंध निदेशक, उत्तराखण्ड राज्य अवस्थापना विकास निगम लि0, 388/2, इन्दिरा नगर, देहरादून।
4. निदेशक, कौषागार, उत्तराखण्ड देहरादून।
5. वित्त नियंत्रक, सिफित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड।
6. वरिष्ठ कौषाधिकारी/कौषाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
7. मुख्य चिकित्साधिकारी, नैनीताल, उत्तराखण्ड।
8. बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
9. जित्ता (व्यय नियंत्रण) अनु0-3/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0।
10. गार्ड फाईल।

(सुनील श्री पांचरी)
उप राधिय